



بثینہ المفتاح

ایک دفعہ کا ذکر ہے، 2019

این ایم او کیو

بثینہ المفتاح
(پیدائش 1987، قطر)

سٹیل بڑھتے ہوئے نظام کے ساتھ کاغذ پر سیاہی

قطر کا قومی عجائب گھر

اس ٹکڑے کے ارد گرد کا موضوع قطری خواتین اور ذہب (سونے) کے ساتھ ثقافتی طور پر جڑی ہوئی وابستگی پر مرکوز ہے۔ خواتین کے پورٹریٹ ایک جگہ اور وقت کے تصور کو تلاش کرتے ہیں - اس لیے عنوان، کان یا ما کان۔ یہ ایک ایسا جملہ ہے جس کا مفہوم "اک دفعہ کا ذکر" ہے - کسی بھی شخص، مرد، عورت یا بچے کا اس جملے کے ساتھ گہرا تعلق ہے جو لوک کہانیوں، سنیما اور طنزیہ محاوروں سے آتا ہے۔

یہاں، یہ آج کے سامعین کے لیے وقت کے خیال کا حوالہ دیتا ہے۔ جب ہم کان یا ما کان کے الفاظ کے بارے میں سوچتے ہیں تو ہم کسی بھی کہانی میں ان الفاظ کے بعد آنے والے چند الفاظ کے بارے میں بھی سوچتے ہیں، "فے خادم الزمان" (وقت کے خادم میں)۔ یہ اس عنوان کا منظر ہے جسے فنکار اپنے ناظرین کے سامنے پیش کرتا ہے، اور ان کے ذہنوں میں فطری تسلسل کی خواہش کرتا ہے - "فے خادم الزمان"۔ آرٹسٹ ایمپیڈڈ جملے، یادیں اور اپنی ثقافت کی کہانیوں سے سوال کرتا ہے۔ ایک خودکار ردعمل کو اکساتے ہوئے جو مذکورہ شخص کے پس منظر اور بچپن کی یادوں کی عکاسی کرتا ہے، فنکار کا مقصد اپنے سامعین کی جڑی ہوئی روایات اور تاریخ کو دوبارہ زندہ کرنا ہے۔



बौथैना अल-मुफ्ताह

कान या मा कान, 2019

एनएमओक्यू



बौथैना अल मुफ्ता (जन्म 1987, कतर)

स्टील माउंटिंग सिस्टम के साथ कागज पर स्याही

कतर का राष्ट्रीय संग्रहालय

इस टुकड़े का विषय कतरी महिलाओं और थहब (सोना) के साथ उनके सांस्कृतिक रूप से निहित जुड़ाव पर केंद्रित है। महिलाओं के चित्र स्थान और समय की धारणा की पड़ताल करते हैं - इसलिए शीर्षक, कान या मा कान। यह एक वाक्यांश है जिसका अर्थ 'एक समय की बात है' के समान है - किसी भी व्यक्ति, पुरुष, महिला या बच्चे का लोककथाओं, सिनेमा और व्यंग्य मुहावरों से आने वाले इस वाक्यांश के साथ गहरा रिश्ता है।

यहां, यह आज के दर्शकों के संदर्भ में समय के विचार का संदर्भ देता है। जब हम कान या मा कान शब्दों के बारे में सोचते हैं, तो हम किसी कहानी में इन शब्दों के बाद आने वाले अगले कुछ शब्दों, 'फे खादिम अल ज़मान' के बारे में भी सोचते हैं। यह शीर्षक का दृश्य है जिसे कलाकार अपने दर्शकों के सामने प्रस्तुत करता है, और उनके दिमाग में सहज निरंतरता चाहता है - 'फे खादिम अल ज़मान'। कलाकार अपनी संस्कृति से जुड़े वाक्यांशों, यादों और कहानियों पर सवाल उठाता है। उक्त व्यक्ति की पृष्ठभूमि और बचपन की यादों को प्रतिबिंबित करने वाली एक स्वचालित प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हुए, कलाकार का लक्ष्य अपने दर्शकों की अंतर्निहित परंपराओं और इतिहास को फिर से जागृत करना है।